No. of Printed Pages : 8

MBG–007

M. A. (BHAGAVADGITA STUDIES)

(MABGS)

Term-End Examination

June, 2026

MBG-007 : KSHETRA-KSHETRAGYA YOGA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) This question paper is in two Sections. Both Sections are compulsory.*

(ii) Attempt questions from both Sections as per the instruction given.

(iii) Write the answers in either Hindi or Sanskrit or English.

Section—A

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×15=60

1. What is the place of the Gītā in the Prasthānatrayī ? Describe.
2. Prove that the Gītā is an upaniṣ ad.
3. Explain 'śarīra' and 'jīvātmā' on the basis of the Gītā.
4. Knowing which knowable element one can attain 'amirtatva' ? Explain according to the Gītā.
5. What is 'sāṅ khya-yoga' ? Explain according to the facts mentioned in the Gītā.
6. Describe the paths mentioned in the Gītā for experiencing or attaining 'pramātmā.'

7. What is the concept of Human-Values (mānavamūlya) ? Explain with support from the Gītā.

Section—B

***Note** : Answer any **four** of the following questions.* 4×10=40

1. How can a Human remain stable in 'sākṣ i bhāva' ? Write a note.
2. How are the Gītā and the Brahmasūtra related ? Describe in brief.
3. Describe the parts of 'mana' as mentioned in the Bhagavadgītā.
4. What is 'pañchamahābhūta' ? Write a note on 'pañchamahābhūta' with support from the Gītā.

5. What do you understand by the Moral Philosophy (naitika darśana) of the Gītā ? Describe in brief.

6. Analyse 'guṇ ātīta' as mentioned in the Gītā.

7. Analyse the essence along with the meaning of the following verses :

(a) इदं ज्ञानमुपाश्रित्य मम साधर्म्यमागताः।

सर्गेऽपि नोपजायन्ते प्रलये न व्यथन्ति च॥

(b) सत्त्वं रजस्तम इति गुणाः प्रकृतिसम्भवाः।

निबध्नन्ति महाबाहो देहे देहिनमव्ययम्॥

MBG–007

एम. ए. (भगवद्गीता अध्ययन)

(एम. ए. बी. जी. एस.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.बी.जी.-007 : क्षेत्र-क्षेत्रज्ञ योग

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

(ii) खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही उत्तर दीजिए।

(iii) हिन्दी अथवा संस्कृत अथवा अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 15 = 60$

1. प्रस्थानत्रयी में गीता का क्या स्थान है ? वर्णन कीजिए।
2. सिद्ध कीजिए कि गीता एक उपनिषद् है।
3. गीता के आधार पर शरीर एवं जीवात्मा की व्याख्या कीजिए।
4. किस ज्ञेय तत्त्व को जानकर अमृतत्व की प्राप्ति होती है ? गीता के अनुसार व्याख्या कीजिए।
5. सांख्य-योग क्या है ? गीता में बताए गए तथ्यों के आधार पर व्याख्या कीजिए।
6. परमात्मा के अनुभव या प्राप्ति हेतु भगवद्गीता में बताए गए मार्गों का वर्णन कीजिए।
7. मानवमूल्य की अवधारणा क्या है ? गीता के समर्थन से मानवमूल्य की व्याख्या कीजिए।

खण्ड —ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. मनुष्य किस प्रकार साक्षी भाव में स्थिर रह सकता है ? टिप्पणी लिखिए।
2. ब्रह्मसूत्र और गीता किस प्रकार सम्बन्धित हैं ? संक्षेप में वर्णन कीजिए।
3. भगवद्गीता में बताए गए मन के अवयवों का वर्णन कीजिए।
4. पञ्चमहाभूत क्या है ? भगवद्गीता के समर्थन से पञ्चमहाभूत पर टिप्पणी लिखिए।
5. गीता के नैतिक दर्शन से क्या समझते हैं ? संक्षेप में वर्णन कीजिए।
6. गीता में बताए गए गुणातीत का विश्लेषण कीजिए।

7. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ सहित भाव विश्लेषण कीजिए :

(अ) इदं ज्ञानमुपाश्रित्य मम साधर्म्यमागताः।

सर्गेऽपि नोपजायन्ते प्रलये न व्यथन्ति च॥

(ब) सत्त्वं रजस्तम इति गुणाः प्रकृतिसम्भवाः।

निबध्नन्ति महाबाहो देहे देहिनमव्ययम्॥

× × × × ×